चाय से है प्यार तो यहां करियर के मौके अपार

चाय की चुस्की लीजिए और बताइए कि किस चाय का स्वाद कैसा है और कौनसी चाय ज्यादा बेहतर है. यही काम होता है एक चाय चखने के एक्सपर्ट (टी टेस्टर) का. इसके प्रोफेशनल्स बताते है कि चाय को किस प्रक्रिया से तैयार किया जाए ताकि उसका टेस्ट और कलर अच्छा हो. टी टेस्टर एक एक्सपर्ट की तरह सलाह देते हैं. उन्हें चाय बागान में चाय उगाने, तैयार करने की प्रक्रियाओं के साथ हर तरह की चाय पत्तियों और ग्रेड्स के बारे में जानकारी होती है. बेहतर सैलरी पैकेज के चलते टी टेस्टर की जॉब पहले की तुलना में ज्यादा आकर्षक हुई है.

टी-टेस्टर क्या करते हैं?

टी-टेस्टर चाय की गुणवत्ता और सुगंध के अनुसार उसकी किस्मों को बांटने में मदद करता है. चाय के स्वाद को परखना पूरी तरह से एक कला है. टी-टेस्टर एक विशेष स्वाद को प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीकों से सलाह दे सकता है.

कैसे बनें टी टेस्टर

टी टेस्टर बनने के लिए कोई डिग्री कोर्स उपलब्ध नहीं है. कुछ चुनिंदा संस्थान हैं जहां सर्टिफिकेट कोर्स कराए जाते हैं. ये कोर्सेज ग्रेजुएशन के बाद किए जा सकते हैं. यदि आपके पास फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर, एग्रीकल्चर या बॉटनी में ग्रेजुएशन की डिग्री है तो सर्टिफिकेट कोर्स कर इस फील्ड में कॅरियर बना सकते हैं. टी-टेस्टिंग से संबंधित कोर्स अपने देश के कुछ संस्थानों के अलावा विदेशों के अच्छे संस्थानों में भी है.

जरूरी स्किल्स

आपमें महक पहचानने और निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए. साथ ही टी-प्रोसेसिंग के बारे में विस्तार से जानकारी हो. अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी है तो इसका लाभ मिल सकता है. आप उत्पादों के बारे में आत्मविश्वास के साथ बताकर लाभ ले सकते हैं.

सैलरी पैकेज

अच्छे टी हाउसेज में टी टेस्टर को शुरुआत में 15-25 हजार रुपए प्रति माह सैलरी मिलती है, जबकि फाइव स्टार होटल्स में काम करने वाले को शुरुआत में लगभग 30-40 हजार रुपए प्रति माह मिल सकते हैं. अनुभव बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती है.

अवसर

होटल, हॉस्पिटेलिटी सेक्टर और टी हाउसेज में टी-टेस्टर की काफी मांग है. फाइव स्टार होटल्स में टी-रूम्स होते हैं, जहां टी-टेस्टर्स को नियुक्ति मिलती है. टी-टेस्टर चाय का ब्लैंड तैयार करते हैं यानी एक से अधिक चायों को मिलाकर नया स्वाद तैयार करते हैं. दूसरी तरफ टी हाउसेज में रोजाना तैयार होने वाली चाय की पैकिंग से पहले इन्हें टेस्ट कराया जाता है.

यहां होती है पढ़ाई

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
- स्पेशियलिटी टी इंस्टीट्यूट, यूएसए
- टी समलियर एकेडमी, कोलंबो
- लिप्टन इंस्टीट्यूट ऑफ टी, ऑस्ट्रेलिया

महत्वपूर्ण टिप्स

- ✔ ज्ञान: चाय के प्रकारऔर विनिर्माण प्रक्रिया की गहन समझ जरूरी है.
- ✔ सावधानी: चखने की क्षमता को बनाए रखने के लिए स्मोकिंग और मसालेदार भोजन से बचना चाहिए.
- ✔ नेटवर्किंग: चाय उद्योग के पेशेवरों से जुड़कर, आप नौकरी के बेहतर अवसरों का पता लगा सकते हैं.

स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदते समय महत्वपूर्ण बातें

बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की संभावना भी बढ़ जाती है. ऐसे में माता-पिता के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेना सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा कवच है. आज के समय में इलाज का खर्च तेजी से बढ़ रहा है और एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है. इसलिए सही हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी का चयन सोच-समझकर करना बेहद आवश्यक है.

पर्याप्त बीमा राशि

- सबसे पहले यह तय करें कि पॉलिसी में कितनी बीमा राशि होनी चाहिए.
- आज के समय में बड़े शहरों में इलाज का खर्च लाखों रुपये तक पहुंच सकता है.
- कम से कम 5 से 10 लाख रुपये का कवर लेना बेहतर माना जाता है.
- यदि माता-पिता को पहले से कोई बीमारी है, तो अधिक बीमा राशि वाला प्लान चुनना समझदारी होगी.
- पर्याप्त सम इंश्योर्ड भविष्य में बड़े मेडिकल बिलों से बचाव करता है.

कम वेटिंग पीरियड वाली पॉलिसी

- अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों को डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग जैसी बीमारियां होती हैं.

बीमा कंपनियां पहले से मौजूद बीमारियों के लिए एक निश्चित प्रतीक्षा अवधि रखती हैं.

- कम वेटिंग पीरियड वाली पॉलिसी का चयन करें.
- पॉलिसी की शर्तों को ध्यान से पढ़ें ताकि बाद में क्लेम के समय कोई समस्या न हो.

प्रीमियम और वहनीयता

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रीमियम सामान्य पॉलिसियों की तुलना में अधिक होता है.
- अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार पॉलिसी चुनें.
- केवल कम प्रीमियम देखकर पॉलिसी न लें, बल्कि कवरेज की गुणवत्ता भी देखें.
- अलग-अलग कंपनियों की तुलना ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से करें.
- संतुलित प्रीमियम और बेहतर कवरेज का चुनाव सबसे उचित रहता है.

को-पेमेंट क्लॉज

- कई वरिष्ठ नागरिक पॉलिसियों में को-पेमेंट का प्रावधान होता है.
- इसका मतलब है कि इलाज के खर्च का एक हिस्सा आपको स्वयं देना होगा.
- कम या जीरो को-पेमेंट वाली पॉलिसी चुनना बेहतर रहता है.
- यदि को-पेमेंट अनिवार्य है, तो उसकी प्रतिशत दर को समझें.

कैशलेस सुविधा

- किसी भी आपात स्थिति में कैशलेस इलाज बेहद महत्वपूर्ण होता है.
- बीमा कंपनी के नेटवर्क में आपके शहर के अच्छे और प्रतिष्ठित अस्पताल होने चाहिए.

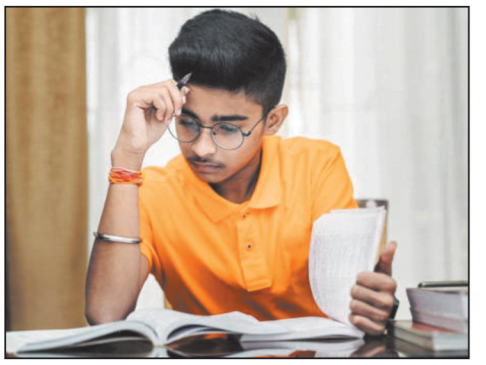

बच्चों के एग्ज़ाम के लिए ज़रूरी बातें

साल भर की पढ़ाई के बाद परीक्षा का समय बच्चों की मेहनत को परखने का होता है, लेकिन यह दौर आसान नहीं होता. कई बच्चों के लिए यह मानसिक दबाव और चिंता का कारण बन जाता है. कुछ बच्चे पर्याप्त पढ़ाई करने के बाद भी याद नहीं रख पाते, जिससे उनका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है. वहीं, माता-पिता का अतिरिक्त दबाव भी उनकी एकाग्रता पर असर डालता है.सफलता के लिए तैयारी जरूरी है, इस बात को ध्यान में रखें और बच्चों के साथ एग्ज़ाम की तैयारी में जुट जाएं.

एक ही पेन का उपयोग करें

विद्यार्थी सालभर जिस पेन का इस्तेमाल करते हैं उसी से उन्हें परीक्षा भी देनी चाहिए. बोर्ड परीक्षाएं देने वाले छात्र-छात्राओं को इस बात का विशेष ध्यान देना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि लगातार एक ही पेन के प्रयोग से लेखन का अभ्यास बना रहता है. अगर परीक्षा में भी उसी प्रकार की कलम से लिखें तो लिखने में निरंतरता रहती है. इससे प्रश्नपत्र को निर्धारित समय में बेहतर तरीके से हल किया जा सकता है.

पेन कैप से न खेलें

परीक्षा के दौरान पेन के कैप से खेलना या उसे मुंह में डालना एकाग्रता कम कर सकता है और इससे अनजाने में पेन की स्याही फैलने या कैप के गले में अटकने का खतरा रहता है. शांत मन से केवल लिखने पर ध्यान केंद्रित करें और पेन को सुरक्षित रखने के लिए उसे पाउच में रखें.

हॉरिज़ॉन्टल नोटबुक में प्रैक्टिस करें

साफ-सुथरी और सीधी लाइन में लिखने की आदत डालें. हॉरिज़ॉन्टल (क्षैतिज) नोटबुक में साफ-सुथरा और सीधा लिखने के लिए, लाइनदार कागज़ का उपयोग करें या सादे कागज़ के नीचे गाइडलाइन वाली शीट रखें. आरामदायक बैठने की मुद्रा अपनाएं, पेन को हल्का पकड़ें (नीचे से 1/2 इंच दूरी पर), और वर्णों के बीच समान अंतर बनाए रखें. रोजाना 4-5 पेज की धीमी और जानबूझकर अभ्यास करें.

फोन का उपयोग कम करें:

पढ़ाई के समय मोबाइल से दूरी रखें.पढ़ाई करते समय अपने फोन में टाइमर सेट करें. इस समय केवल पढ़ाई पर ध्यान दें.इस बात का निश्चय करें कि जब तक ये टाइमर खत्म नहीं हो जाएगा, तब तक आप फोन नहीं चलाएंगे.

- ✔ समय बाँटकर लिखने की प्रैक्टिस कैसे करें (संक्षेप में):
- ✔ घर पर असली परीक्षा जैसा माहौल बनाएं.
- ✔ पुराने प्रश्नपत्र लें और तय समय में हल करें.
- ✔ हर सवाल के लिए पहले से समय तय करें (जैसे 5, 10 या 15 मिनट).
- ✔ टाइमर लगाकर लिखें, बीच में रुकें नहीं.
- ✔ अंत में 5-10 मिनट उत्तर जाँचने के लिए बचाएँ.